Dr. Raj Gopal,
Department of Philosophy
V.S.J. College Rajnagar

हेत्वाभास (व्याख्यान - II)

(iii) अनुपसंहारी हेतु :- इसमें पक्ष सर्वग्राही होता है। पक्ष में उस जाति की सभी वस्तुओं का समावेश होने के कारण वह किसी अन्य सपक्ष दृष्टांत में उपस्थित नहीं होता है। इससे सपक्षवृत्ति नियम का उल्लंघन होता है। अतः अनुपसंहारी सव्यभिचार तब होता है जब हेतु का दृष्टांत न भाव में मिलता है और न अभाव में मिलता है। जैसे-

सभी वस्तुओं का अन्त होता है, क्योंकि वे उत्पन्न होती हैं।

यहाँ 'उत्पन्न होना' हेतु पक्ष के सर्वग्राही होने के कारण किसी सपक्ष दृष्टांत में संभव नहीं है, अतः इसे अनुपसंहारी हेतु कहते हैं।

(2.) विरुद्ध हेतु :- इसमें हेतु स्वव्याघाती होता है। जिसके कारण व्याप्ति संबंध साध्य के साथ न होकर साध्य के अभाव के साथ होता है। इसमें हेतु साध्य को न सिद्ध करके उसके विरोधी साध्य के अभाव को सिद्ध कर देता है, ऐसे हेतु को विरुद्ध हेतु कहते हैं। जैसे-

शब्द नित्य है, क्योंकि वह उत्पन्न होता है।

इसमें 'उत्पन्न होना' हेतु अनित्य पदार्थों का लक्षण है। अतः वह शब्द की नित्यता को सिद्ध करने के स्थान पर उसकी अनित्यता को सिद्ध करता है।

सव्यभिचार हेतु में व्याप्ति अपूर्ण या दोषपूर्ण होता है, इसके कारण वह साध्य को सिद्ध करने में असफल होता है। इसके विपरीत विरुद्ध हेतु में व्याप्ति सर्वथा विरोधपूर्ण होती है।

Scanned with CamScanner

इसके कारण उससे साध्य के स्थान पर साध्य का अभाव ही सिद्ध हो जाता है।

(3.) सत्प्रतिपक्ष हेतु :- इसमें हेतु का विरोधी एक अन्य हेतु होता है। इसमें एक हेतु साध्य को सिद्ध करता है तो दूसरा हेतु साध्य के अभाव को। दोनों हेतुओं में समान बल होता है। दूसरे शब्दों में जब एक हेतु द्वारा प्रतिपादित अनुमान दूसरे हेतु द्वारा खण्डनीय हो तो उसे सत्प्रतिपक्ष हेतु कहते हैं। जैसे-

(1.) शब्द नित्य है, क्योंकि वह श्रव्य है, जैसे- शब्द।

(2.) शब्द अनित्य है, क्योंकि वह एक कार्य है, जैसे- घट।

इसमें प्रथम हेतु द्वारा स्थापित अनुमान द्वितीय हेतु द्वारा खण्डित हो जाता है। अतः प्रथम हेतु सत्प्रतिपक्ष है। जहाँ विरुद्ध हेतु में स्वयं हेतु ही साध्य के अभाव को सिद्ध करता है, किन्तु सत्प्रतिपक्ष हेतु में एक हेतु द्वारा प्रतिपादित साध्य के भाव को दूसरे सबल विपक्षी हेतु द्वारा खण्डन किया जाता है। इसमें एक हेतु के विरोधी रूप में दूसरा हेतु उपस्थित रहता है।

Scanned with CamScanner